ओ श्याम प्यारे तुम्हे ही सुमिरो दिन रेन

ओ श्याम प्यारे तुम्हे ही सुमिरो दिन रेन
दर्श बिन मन होता बेचैन की भर भर आते दो नैन,
ओ श्याम प्यारे तुम्हे ही सुमिरो दिन रेन

ये नैना प्यासे जन्म जन्म से कब होंगे दर्शन प्यारे,
प्रेम के सागर हो मेरे ठाकुर प्रेम जरा छलका रे,
रूप दिखा दो मेरे श्याम तुम बिन कौन रखेगा ध्यान,
तेरी रहे तके ये नैयन,
ओ श्याम प्यारे तुम्हे ही सुमिरो दिन रेन

हम है तुम्हारे तुम हो हमारे मात पिता तुम मेरे,
दूर करो न बाबा आकर जीवन के मेरे अँधेरे,
विनती सुनलो दीना नाथ आकर थामो हाथ मेरा,
कोटि कोटि तुम्हे ये नमन,
ओ श्याम प्यारे तुम्हे ही सुमिरो दिन रेन

निष्ठुर बनो न मेरे कान्हा किरपा जरा बरसादो,
बेटी समज के बबिता को अपनी सर पे हाथ फिरा दो,
चरणों में तेरे संसार देदे सेवा का अधिकार आज खाली न लौटे गे हम,
ओ श्याम प्यारे तुम्हे ही सुमिरो दिन रेन

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/12256/title/o-shyam-pyaare-tumhe-hi-sumiro-din-ren

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |